अशोकनगर में 'जहरीला' पानी से लोग हो रहे बीमार

इंदौर की मौतों से नहीं लिया सबक, दूषित पेयजल से सीनियर पत्रकार की सेहत खराब, लीवर में फैला संक्रमण

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। इंदौर में हाल ही में दूषित पानी पीने से हुई मौतों के बाद भी प्रशासन की नींद नहीं टूटी है। ताजा मामला अशोकनगर जिले से सामने आया है, जहाँ नगरपालिका की लापरवाही के कारण नलों में आ रहे गंदे पानी ने एक वरिष्ठ पत्रकार को अस्पताल पहुँचा दिया है। शहर के सीनियर पत्रकार आशीष मालवीय बीते एक सप्ताह से गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

अशोकनगर में नगरपालिका द्वारा बिछाई गई पेयजल पाइपलाइनें शहर के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन गई हैं। शहर के अधिकांश हिस्सों में ये पाइपलाइनें गंदी नालियों और गटर के बीच से होकर गुजर रही हैं। पाइपलाइनों में कट या लीकेज होने के कारण नालियों का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है। इसी दूषित पानी के सेवन से पत्रकार आशीष मालवीय के शरीर में घातक बैक्टीरिया पनप गए हैं, जिससे उनके लीवर में गंभीर सूजन और संक्रमण हो गया है। मामला तब गरमाया जब इसकी जानकारी कलेक्टर, नगरपालिका अध्यक्ष और सीएमओ तक पहुँची। आनन-फानन में नगरपालिका अध्यक्ष और सीएमओ सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने पत्रकार मालवीय के घर पहुँचकर उनका हालचाल जाना। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कॉलोनी की नालियों में डूबे पाइपों को ऊपर उठवाया और पानी के सैंपल लिए, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा था?

बीमारी की मार और आर्थिक नुकसान

पिछले एक हफ्ते से आशीष मालवीय पेट और लीवर संबंधी गंभीर व्याधि से लड़ रहे हैं। एक तरफ जहाँ वे शारीरिक पीड़ा झेल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भारी-भरकम दवाओं और पैथोलॉजी टेस्ट के खर्च ने उन्हें आर्थिक रूप से भी नुकसान पहुँचाया है। बिना किसी गलती के एक नागरिक और पत्रकार को प्रशासन की इस 'सिस्टम जनित' बीमारी का शिकार होना पड़ा है। लोगों का कहना है कि आखिर इस हालत का जिम्मेदार किसे माना जाए? क्या केवल पाइप ऊपर उठा देने से पत्रकार की सेहत और उनका हुआ आर्थिक नुकसान वापस मिल जाएगा?

इंदौर हादसे के बाद भी संवेदनहीनता

इंदौर में दूषित पानी से हुई दर्दनाक मौतों ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था, लेकिन अशोकनगर नगरपालिका ने उससे कोई सबक नहीं लिया। शहर के कई इलाकों में आज भी पाइपलाइनें गंदे पानी के कुंडों में डूबी हुई हैं। यदि समय रहते पूरे शहर की पाइपलाइनों का ऑडिट कर उन्हें नालियों से बाहर नहीं निकाला गया, तो आशीष मालवीय जैसी स्थिति शहर के किसी भी नागरिक के साथ बन सकती है। फिलहाल, स्वास्थ्य विभाग और नगरपालिका मामले की जांच की बात कह रहे हैं, लेकिन पत्रकार की बिगड़ती सेहत ने शहर की पेयजल व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज

अशोकनगर। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट साकेत मालवीय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का आयोजन 27 फरवरी 2026 को सायं 04 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया था। उक्त बैठक अब 28 फरवरी 2026 को दोपहर 03 बजे से आयोजित की गई है।

बीजासन माता मंदिर प्रांगण में आंवला एकादशी पर सुहागिनों ने की पूजन अर्चन

नवभारत न्यूज

शाढोरा। शाढोरा में आंवला ग्यारस पर बलकुराम नामदेव शिक्षक के मकान के पास स्थित माँ बीजासन मन्दिर प्रांगण में आँवला एकादशी पर आँवला का पूजन अर्चन कर एकादशी का व्रत कर सुहागिनों ने दी परिक्रमा एवं गाये भजन यह माँ बीजासन का मंदिर अति प्राचीन है बुजुर्गो का कहना है कि जिस त्रिवेणी के नीचे माँ बीजासन बिराजमान हैं वह वृक्ष हजारो वर्ष पुराना है , जिसमे बरगद, पीपल , नीम तीनो वृक्षो का समावेश है यह त्रिवेणी वृक्ष बहुत विशाल हैं और अति प्राचीन है। बीजासन माता मन्दिर की मान्यता है कि माँ के दरबार मे हर मुराद पूरी होती है , कभी कोई भक्त निराश होकर नही लौटा माँ बीजासन सबकी झोली भरती हैं । माँ बीजासन मन्दिर संतान संतान सुख की प्राप्ति के लिए प्रसिद्ध है बीजासन माता संतान के स्वास्थ्य एवं दीर्घायु को देने वाली हैं ऐसी मान्यता है इस चमत्कारिक स्थान की। इस स्थान को बरतरे वाली बीजासन माँ के नाम से जाना जाता है यह बहुत चैतन्य स्थान है । इस स्थान पर प्रदेश भर के लोग ग्वालियर भोपाल , इंदौर , विदिशा , शिवपुरी, गुना , अशोकनगर सहित सम्पूर्ण क्षेत्र एवं शाढोरा नगर से भक्तजन पूजन अर्चन करने आते हैं , ओर धर्म लाभ उठाते है ,हाल ही में बलकुराम नामदेव शिक्षक ने इसी माँ बीजासन मन्दिर प्रांगण में श्री हेमपालेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण अपने माता पिता की पूण्यस्मृति में करवाया है , एवं इसी प्रांगण में ब्रह्म गौड़ बाबा का मंदिर है। इस मंदिर के पुजारी श्री राजेश शर्मा पुत्र सीताराम शर्मा है , जो यहाँ पूजन अर्चन कर संध्या वन्दन का कार्य करते हैं ।

एक नजर में

गरेंटी-11 को हराकर सुपर-8 में बनाई जगह

अशोकनगर। क्षेत्र के खेल प्रेमियों के बीच रोमांच का केंद्र बनी 'राधे रानी प्रीमियर लीग' में शुक्रवार को धुआंधार मुकाबले देखने को मिले। ग्राम हैदर के मैदान पर खेले गए इन मैचों में खिलाड़ियों ने बल्ले और गेंद से जमकर जौहर दिखाए। दिन का मुख्य आकर्षण पिपरेसरा-11 की टीम रही, जिसने शानदार खेल दिखाते हुए सुपर-8 में प्रवेश करने वाली तीसरी टीम बनने का गौरव हासिल किया। टूर्नामेंट का पहला मैच लखेरी-11 और गरेंटी-11 के बीच खेला गया। लखेरी-11 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 108 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में उतरी गरेंटी-11 की टीम ने सधी हुई शुरूआत की और आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर इस लक्ष्य को बेहद आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ गरेंटी-11 अगले दौर की उम्मीदों के साथ विजेता रही। दिन के दूसरे मैच में पिपरेसरा-11 का सामना जुगया-11 से हुआ। पिपरेसरा-11 ने पहले बैटिंग करते हुए मैदान के चारों ओर चौके-छक्कों की बरसात की और विपक्षी टीम के सामने 126 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। पहाड़ जैसे लक्ष्य का पीछा करने उतरी जुगया-11 की टीम दबाव में बिखर गई और निर्धारित ओवरों में मात्र 82 रन ही बना सकी। पिपरेसरा-11 ने यह मैच बड़े अंतर से जीतकर अपनी दावेदारी मजबूत की।

मुंगावली अस्पताल में सोनोग्राफी पर लगा 'ताला'

एक महीने से सेवा बंद, 55 किमी दूर जिला मुख्यालय दौड़ रहीं गर्भवती महिलाएं

नवभारत न्यूज

मुंगावली 27 फर. का। क्षेत्र के सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल है। पिछले एक महीने से अस्पताल की अल्ट्रासाउंड सोनोग्राफी सेवा पूरी तरह बंद पड़ी है, जिससे सबसे ज्यादा परेशानी गर्भवती महिलाओं को हो रही है। अस्पताल के सोनोग्राफी कक्ष पर लटका ताला प्रशासनिक अनदेखी की कहानी बयां कर रहा है। सरकारी सुविधा न मिलने के कारण निर्धन परिवारों की महिलाओं को निजी सेंटरों की भारी-भरकम फीस और लंबी दूरी का सफर तय करने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

सोनोग्राफी सेवा बंद होने का मुख्य कारण यहाँ के रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अमित पांडे का स्थानांतरण (अटैचमेंट) होना है। करीब एक महीने पहले डॉ. पांडे को अशोकनगर जिला मुख्यालय पर अटैच कर दिया गया, जिसके बाद से मुंगावली में सोनोग्राफी करने वाला कोई विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं है। विडंबना यह है कि प्रशासन ने एक डॉक्टर को तो यहाँ से हटा लिया, लेकिन उनकी जगह किसी वैकल्पिक व्यवस्था की जरूरत नहीं समझी। मुंगावली क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को नियमित जांच और आपातकालीन स्थिति में सोनोग्राफी के लिए अब 55 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय अशोकनगर जाना पड़ रहा है। जो महिलाएं इतनी दूर जाने में समर्थ नहीं हैं, वे निजी सेंटरों का रुख कर रही हैं, जहाँ उनसे मनमानी फीस वसूली जा रही है।

एक महिला ने बताया कि अस्पताल में अन्य जांचें तो नर्सिंग स्टाफ और सिस्टर्स की मदद से करवा ली जाती हैं, लेकिन सोनोग्राफी के बिना गर्भावस्था की स्थिति का सही आकलन नहीं हो पाता। निजी सेंटर जाना हमारी मजबूरी बन गया है।

पुरानी समस्याओं से जूझता अस्पताल

मुंगावली सिविल अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों और रेडियोलॉजिस्ट की कमी एक पुरानी और नासूर बन चुकी समस्या है। अस्पताल में मशीनें तो उपलब्ध हैं, लेकिन उन्हें चलाने वाले विशेषज्ञ नहीं हैं। वर्तमान में स्थिति यह है कि छोटी-मोटी समस्याओं को तो सिस्टर्स देख लेती हैं, लेकिन विशेषज्ञ सेवाओं के अभाव में अस्पताल केवल 'रेफरल सेंटर' बनकर रह गया है। मजबूरी में लोग मुसीबत के समय लोगों को जिला स्तर पर जाना पडता है।

जिम्मेदारों की चुप्पी

एक महीने से सेवा बंद होने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अब तक कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि डॉ. अमित पांडे का अटैचमेंट तत्काल समाप्त कर उन्हें वापस मुंगावली भेजा जाए या यहाँ स्थाई रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति की जाए। यदि जल्द ही सेवाएं बहाल नहीं हुईं, तो क्षेत्रीय स्तर पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है।

जकात ही रोजे का जेवर गहना है, रोजेदार को बुरी बात से बचना भी जकात है

पिपरई। रमजान का मुबारक महीने का दूसरा जुमा के दिन मस्जिदों में काफी भीड़ भाड़ देखी गई। नमाज से पहले रोजे की फजीहत बताते हुए जमा मस्जिद के मुफ्ती मोहम्मद आमिर साहब ने बताया कि दान से रोजा फल फूलता हैं,जकात रोजे की ताकत है। एक तस्वीह उपमा से इसे यू समझा जा सकता हैं की रमजान का महीना रूहानी खेत हे,ईमान बीज हैं, नमाज अंकुर हैं,रोजा पौधा हैं,ओर जकात सिंचाई है रोजेदार हकीकत में रूहानी काश्तकार किसान होता है।जिसको सबाब पुण्य की फसल के लिए अल्लाह ईश्वर मददगार होता हैं।उन्होंने कहा कि बेशक अल्लाह मदद करता हे ओर वह रोजेदार पर रहमत करेगा। लेकिन अपने रोजे की हिफाजत के लिए रोजेदार भी तो हिकमत उपाय करेगा।यह हिकमत या उपाय हैं रोजे के पौधे को जकात से सींचना ।इस्लाम धर्म में जकात का मतलब हैं अपनी मेहनत ओर अक्ल से कि गई कमाई का ढाई फीसदी अल्लाह की राह ईश्वर के मार्ग पर खर्च करना। यानि सही जरूरतमंदों की मदद करना ओर इस मदद के तोल नहीं पीटना। यहां यह जानना भी जरूरी हे कि मेहनत ओर अक्ल से कि गई कमाई का मतलब नेक मेहनत ओर नेक नीयत से हैं। जैसे कोई चोर चोरी की नीयत से चोरी करे या डांकू डाका डालकर या कर्मचारी,अधिकारी,नेता,अनैतिक साधनों से धन प्राप्त करके उसकी जकात निकाले तो यह ऐसे भी अनुचित हे।

कैबिनेट मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह मढ़ी महिदपुर पहुंचे

अशोकनगर। जनजातीय कार्य, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास तथा लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह शुक्रवार को अल्प प्रवास पर अशोकनगर जिले की चंदेरी विधानसभा के ग्राम मढ़ी महिदपुर पहुंचे। यहाँ उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फरर) के मध्य क्षेत्र के बौद्धिक शिक्षण प्रमुख एवं पूर्व भाजपा संगठन मंत्री हितानंद शर्मा की दिवंगत माताजी स्व. जनकदुलारी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा के दौरान कैबिनेट मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह ने स्व. जनकदुलारी जी के जीवन वृत्त को नमन किया। उन्होंने कहा कि माताजी का संपूर्ण जीवन त्याग, तपस्या और धर्मपरायणता का प्रतीक रहा है। एक माँ के रूप में उन्होंने अपने बच्चों को जो संस्कार और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा दी, वह आज के समाज के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक है। शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

घर के बाहर खेलते-खेलते कुएं में गिरा दो साल का मासूम, डूबने से हुई मौत

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पीपलखेड़ा में गुरुवार शाम एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। यहाँ अपने घर के बाहर खेल रहा दो साल का एक मासूम बच्चा अचानक पास ही स्थित कुएं में गिर गया। जब तक परिजनों को इसकी भनक लगी और उसे बाहर निकाला गया, तब तक मासूम की मौत हो चुकी थी। इस घटना के बाद से ही परिवार और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीपलखेड़ा निवासी शिवेंद्र यादव का दो वर्षीय पुत्र रुद्राक्ष यादव गुरुवार शाम को अपने घर के बाहर खेल रहा था। शिवेंद्र यादव का परिवार गांव की मुख्य बस्ती से दूर खेतों पर बने मकान में रहता है। घर से कुछ ही दूरी पर एक खुला कुआं स्थित है। खेलते-खेलते मासूम रुद्राक्ष परिजनों की नजरों से ओझल होकर उस कुएं के पास पहुँच गया और अनजाने में उसमें जा गिरा। काफी देर तक जब आंगन में बच्चे की आवाज सुनाई नहीं दी, तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने आसपास के खेतों और रास्तों पर उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद जब परिजनों ने पास स्थित कुएं में झाँककर देखा, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मासूम रुद्राक्ष पानी में निढाल पड़ा हुआ था। परिजनों ने तुरंत उसे कुएं से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी धड़कनें थम चुकी थीं।

अस्पताल पहुँचने से पहले ही थम गई सांसें

परिजनों को उम्मीद थी कि शायद मासूम की जान बच जाए, इसलिए वे उसे तत्काल निजी वाहन से जिला अस्पताल अशोकनगर लेकर भागे। अस्पताल पहुँचते ही डॉक्टरों ने बच्चे का परीक्षण किया, लेकिन दुर्भाग्यवश उसे मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया। देर शाम जिला अस्पताल में बच्चे के शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

भोपाल विधानसभा में गूंजा शंकरपुर जमीन घोटाला

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान गुना जिले की एक बेशकीमती सरकारी जमीन को लेकर सियासी पारा चढ़ गया। ग्राम पंचायत मोहारी राय के अंतर्गत आने वाले ग्राम शंकरपुर की लगभग 300 बीघा शासकीय भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण का मुद्दा सदन में गूंजा। विधायक इंजीनियर हरिबाबू राय ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से राजस्व मंत्री के समक्ष यह मामला उठाते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए।

500 करोड़ की संपत्ति पर भू-माफिया की नजर विधानसभा में विधायक हरिबाबू राय ने राजस्व मंत्री से सीधे सवाल करते हुए पूछा कि आखिर क्यों इतनी बहुमूल्य भूमि को अब तक मुक्त नहीं कराया जा सका है। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि इस शासकीय भूमि की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 500 करोड़ रुपये है। विधायक ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व में भी इस संबंध में कई बार पत्राचार और प्रश्न किए गए, लेकिन जिला प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासन की चुप्पी पर सवाल विधायक राय ने सदन में अपनी बात रखते हुए पूछा कि जब शासन के पास बार-बार शिकायतें और पत्र पहुंचे, तो अतिक्रमणकारियों के हौसले इतने बुलंद कैसे हैं?

सम्मान

बुंदेलखण्ड यूनिवर्सिटी झांसी में सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मिले प्रतिभा सम्मान

डॉ प्रीति यादव राम भक्त लेखक सम्मान से हुई झांसी में सम्मानित

अशोकनगर। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी द्वारा 23 और 24 फरवरी को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में अशोकनगर की निवासी और गुना जिले के शासकीय कस्तूरबा कन्या महाविद्यालय में कार्यरत डॉ प्रीति यादव को रामभक्त लेखक सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय ,झांसी के हिंदी विभाग तथा उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ के सहयोग से आयोजित 'बुंदेलखंड के साहित्य, समाज और संस्कृति में श्रीराम' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुकेश पांडेय ,मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री डॉ राजेश श्रीवास्तव ,उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की प्रधान संपादिका डॉ अमिता दुबे ,कुल सचिव ज्ञानेंद्र कुमार ,परीक्षा नियंत्रक राजबहादुर आदि के द्वारा किया गया।

डॉ प्रीति यादव ने बुंदेलखंड के लोकनायक श्री राम का सामाजिक औदात्य विषय पर अपना शोध पत्र का वाचन किया ।डॉ प्रीति यादव ने अपने शोध पत्र का वाचन करते हुए बताया कि श्री राम आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं । उनका आदर्श जीवन और उनके जीवन चरित्र पर आधारित रामलीलाएं मानव जीवन को सही दिशा प्रदान करतीं हैं ।राम के गुण करुणा, न्याय ,प्रेम ,पारिवारिक कर्तव्य और विपरीत परिस्थितियों में अडिगता, नेतृत्व क्षमता ,सुशासन रिश्तो में सामंजस्य न सिर्फ व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक विकास के लिए मार्गदर्शन का काम करते हैं । उन्होंने आगे कहा कि यह राम की लोकप्रियता ही है कि न सिर्फ़ बुंदेलखंड बल्कि संपूर्ण देश में एक बड़ा विद्वान और एक अनपढ़ गंवार समान रूप से श्रीराम में श्रद्धा रखता है ।राम बुंदेलखंड की धरती के कण- कण में बसे हैं । राम का चरित्र आदर्श शासन ,सभ्यता और चरित्र निर्माण की प्रेरणा देता है। डॉ पुनीत बिसारिया विभाग अध्यक्ष हिंदी विभाग और अधिष्ठाता कला संकाय के संयोजन में 160 लेखकों द्वारा भेजे गए आलेख की तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया। लगभग आठ तकनीकी सत्रों में संपूर्ण देश से आए विभिन्न विद्वान जनों ने बुंदेलखंड के हृदय में बसे राम और उनकी लोकप्रियता विषय पर अपने-अपने आख्यान प्रस्तुत किए ।कार्यक्रम के संयोजक प्रो पुनीत बिसारिया और मुख्य अतिथियों द्वारा लेखकों को राम भक्त लेखक सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर नवीन चंद्र पटेल,डॉ डीसी दुबे, राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित शिक्षिका डॉ नीति शास्त्री, आरिफ शहडोली, डॉ मोहम्मद नईम, रंग कर्मी संजय सिंघल ,डॉ दीप्ति बिसारिया ,डॉ सुनीता यदुवंशी, डॉ सुनीता वर्मा ,डॉ सुधा दीक्षित ,डॉ बृजलाता मिश्रा सहित अनेक विद्वान उपस्थित रहे।

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL
WATER WORK DEPARTMENT
Municipal Corporation MATA MANDIR PHE CAMPUS, Bhopal
Office Telephone No. 0755-2552471

NIT No. 17/T.Sec./EE/W.W.D./2025-26 Bhopal Dated 20.02.2026

NOTICE INVITING e-TENDER

Online Tenders are inviting on appendix 2.10 from the appropriate firm that registered in Office of the Madhya Pradesh (Centralized PWD Registration Cell) for following work. The tender documents can be obtained online on the website http://mptenders.gov.in as per the Key Dates in the Notice published on the above website.

S. No.	Name of Work	Probable Amount of Contract (In Lakh)	Earnest Money Deposit (In Lakh)	Cost of Tender Document (In Lakh)	Completion Period (In Days)
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1	Repairing of 735 KW H.T. Motor (6.6 KV) at Clear Water Pump House Kolar	17,75,000.00	13315.00	2000.00	90 Days

T. No. 3221/025/026

Executive Engineer
Water Works Department
Municipal Corporation, Bhopal